आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

RNI No.-RJHIN/2015/63826

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 11 | अंकः 27 | जयपुर, सोमवार 10 अगस्त, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

प्रभा गुप्ता के मुख्य... पेज 2

पीएम मोदी से मिलने... पेज 3

बारिश में तिरंगा लहराते निकले सीएम और जेपी नड्डा

केंद्रीय मंत्री बोले- एक्ट में संशोधन करके वंदे मातरम को सम्मान दिलाया

जयपुर। सरकार के हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को जयपुर सहित कई जिलों में तिरंगा यात्रा निकाली गई। जयपुर में बारिश के बीच अल्बर्ट हॉल से राज्यस्तरीय तिरंगा यात्रा निकाली। सीएम भजनलाल शर्मा और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा भी बारिश में हाथ में तिरंगा लहराते चले। यात्रा रामनिवास बाग चौराहा, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पर समाप्त हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर डांस किया। इससे पहले, सभा में नड्डा ने कहा- हाल ही में राज्यसभा में प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर (संशोधन) एक्ट, 2026 पारित किया है। 55 साल पहले द प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट लाया गया था। इसमें राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे संविधान, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान को दंडनीय अपराध घोषित किया गया था। उस कानून में राष्ट्रगान, संविधान और राष्ट्रीय ध्वज को तो जोड़ा गया, लेकिन वंदे मातरम (राष्ट्रगीत) को छोड़ दिया। क्या इसे उस समय की भूल माना जाए या फिर तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति कहें? अब संशोधन कानून के बाद राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, संविधान, राष्ट्रीय ध्वज... इनमें से किसी का भी अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।

सीएम बोले- पहली बार जो तिरंगा फहराया, वो दौसा में बना था

सीएम ने तिरंगे का राजस्थान से ऐतिहासिक संबंध बताते हुए कहा- इस तिरंगे का राजस्थान की वीर धरा से बहुत गहरा नाता है। 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी पर जो तिरंगा पहली बार फहराया गया था, वह राजस्थान के दौसा (जो पहले जयपुर का ही हिस्सा था) से बनकर गया था। जयपुर में तिरंगा यात्रा में डिप्टी सीएम दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, बीजेपी प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित बीजेपी के कई बड़े नेता शामिल हुए। इधर, राजसमंद के आमेट में स्कूल के बच्चों ने करीब 500 मीटर लंबे ध्वज के साथ तिरंगा रैली निकाली। जोधपुर में भी तिरंगा यात्रा निकाली गई। 9 से 17 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों के भीतर राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करना है।

सीएम ने बच्ची को बुलाकर यात्रा में शामिल किया

यात्रा के दौरान अपनी मां के साथ सड़क किनारे हाथ में तिरंगा लेकर खड़ी एक छोटी बच्ची को सीएम ने अपने पास बुलाकर यात्रा में शामिल किया।

कलाकार कर रहे राजस्थानी फोक डांस

जयपुर में हो रही बारिश के बीच भी बड़ी संख्या में लोग तिरंगा यात्रा में शामिल हुए हैं। यात्रा के दौरान लोग राजस्थानी लोक नृत्य (डांस) करते हुए पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

बारिश के बीच तिरंगा लेकर निकले सीएम और केंद्रीय मंत्री

जयपुर में रिमझिम बारिश के बीच तिरंगा यात्रा शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यस्तरीय तिरंगा यात्रा को रवाना किया। जयपुर में हो रही बारिश के बीच सीएम भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा तिरंगा यात्रा में पैदल चल रहे हैं। यात्रा रामनिवास बाग चौराहा, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पहुंचेगी।

नड्डा बोले-अभी तक गुलामी की मानसिकता के साथ आगे बढ़ रहे थे

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- यह तिरंगा यात्रा केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि यह हमारी गहरी भावनाओं से जुड़ी हुई है। यह यात्रा देश के 140 करोड़ देशवासियों को एक नई दिशा और दृष्टि देने वाली है। उन्होंने गुलामी की मानसिकता पर प्रहार करते हुए कहा कि हम अभी तक गुलामी की निशानियों के साथ आगे बढ़ रहे थे, लेकिन अब हमने इन्हें बदलने का काम किया है। बड़ी मुश्किल से हम देश को आगे लेकर आए हैं, अब इसके सम्मान को हमें हर हाल में बनाए रखना है।

नड्डा बोले- वंदे मातरम को सम्मान दिलाया

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- मैं यहां कोई राजनीतिक बात करने नहीं आया हूं, लेकिन एक बेहद जरूरी विषय पर देश का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। हाल ही में राज्यसभा में प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर (संशोधन) एक्ट, 2026 (राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण संशोधन अधिनियम) पारित किया गया है। इससे पहले 55 साल पहले द प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट लाया गया था, जिसमें हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे संविधान, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान को दंडनीय अपराध घोषित किया गया था। जेपी नड्डा ने आगे कहा- उस समय कानून में राष्ट्रगान, संविधान और राष्ट्रीय ध्वज को तो जोड़ा गया, लेकिन हमारे वंदे मातरम (राष्ट्रगीत) को छोड़ दिया गया। मैं आज पूछना चाहता हूं कि क्या इसे उस समय की भूल माना जाए, या फिर तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति कहा जाए? कारण जो भी रहा हो, लेकिन आज हम गर्व से कह सकते हैं कि साल 2026 में पारित हुए इस नए संशोधन कानून के बाद अब देश में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, संविधान और राष्ट्रीय ध्वज... इनमें से किसी का भी अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।

सीएम बोले- पहली बार जो तिरंगा फहराया, वह दौसा से बनकर गया था

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव के तहत शुरू हुई यह तिरंगा यात्रा आज देश के जन-जन की यात्रा बन चुकी है। हम सभी जल्द ही देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। जब भी हमारे हाथ में तिरंगा होता है, तो हमारा स्वाभिमान और अधिक बढ़ जाता है। यह हमारे देश का गौरव बढ़ाने का काम करता है। तिरंगा हमारी अनेकता में एकता और विविधता का सबसे बड़ा प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने तिरंगे का राजस्थान से ऐतिहासिक संबंध बताते हुए कहा- इस तिरंगे का राजस्थान की वीर धरा से बहुत गहरा नाता है। 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी पर जो तिरंगा पहली बार फहराया गया था, वह राजस्थान के दौसा (जो पहले जयपुर का ही हिस्सा था) से बनकर गया था। अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम पांचवीं, सातवीं या आठवीं कक्षा में पढ़ते थे, तब गलियों में तिरंगा लेकर प्रभात फेरी निकालते थे और हमारे कंठ से एक ही आवाज निकलती थी- विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा। आज फिर से निकाली जा रही यह तिरंगा रैली हमारे युवाओं में राष्ट्रभक्ति के उसी भाव को मजबूत कर रही है।

सीएम ने आगे कहा- तिरंगा केवल हमारे घरों की छतों पर ही नहीं, बल्कि हमारे दिलों में भी धड़कना चाहिए। हमारे मन में राष्ट्र प्रेम, राष्ट्र सेवा और विकसित भारत के निर्माण के प्रति कर्तव्य की भावना होनी चाहिए, क्योंकि तिरंगा हमें हमारे गौरवशाली इतिहास और राष्ट्र चेतना की याद दिलाता है। मुख्यमंत्री ने सरकार के कामकाज का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र के आधार पर ही राजस्थान की सरकार चल रही है और प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।

बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर किया डांस

तिरंगा यात्रा रामनिवास बाग चौराहा और सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पहुंची, जहां इसका भव्य समापन हुआ। इस यात्रा में स्कूली बच्चे, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए। समापन के दौरान बच्चों ने देशभक्ति के गीतों पर डांस भी किया। इस दौरान हवामहल विधानसभा क्षेत्र से विधायक बालमुकुंद आचार्य भी बच्चों के साथ झूमते हुए नजर आए। विधायक गोपाल शर्मा और भाजपा महामंत्री मिथिलेश गौतम भी तिरंगा फहराते हुए लोगों का जोश बढ़ाते रहे।

जयपुर में पुलिस बैंड का आकर्षण

तिरंगा यात्रा के दौरान जयपुर में पुलिस बैंड का खास आकर्षण देखने को मिलेगा। तिरंगा रैली में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा पहुंच गए हैं। कुछ देर में जेपी नड्डा तिरंगा रैली को रवाना करेंगे। राजसमंद के आमेट में हर घर तिरंगा अभियान के दौरान बच्चों ने आधा किलोमीटर लंबे ध्वज के साथ तिरंगा रैली निकाली। यात्रा पीएम श्री स्कूल से शुरू हुई, जो बस स्टैंड पर समाप्त हुई। यात्रा में 1100 से ज्यादा बच्चे शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के दौरान कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने आजादी के महापर्व पर अपने घरों पर तिरंगा फहराकर देश के प्रति सम्मान और गौरव प्रकट करने का आह्वान किया।

किरोडी बोले-लोग कहते हैं मोदी आरक्षण खत्म कर देंगे

मेरे तन में जब तक जान है रिजर्वेशन का कोई बाल बांका नहीं कर सकता

दौसा। कृषि मंत्री किरोडी लाल मीणा ने कहा- लोग कहते हैं कि आरक्षण खत्म होने वाला है। मोदी आरक्षण खत्म कर देंगे, फलाना आदमी आरक्षण खत्म कर देगा। किरोडी के तन में जब तक जान है, आरक्षण का कोई बाल बांका नहीं कर सकता। यह बात किरोडी लाल मीणा ने दौसा में विश्व आदिवासी दिवस पर नांगल प्यारीवास स्थित मीणा हाईकोर्ट परिसर आयोजित कार्यक्रम में कही। इस दौरान किरोड़ी लाल मीणा के जीवन और संघर्ष पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी हुआ। डॉ. किरोडी ने कहा- यहां GEN Z बडी तादाद में है। उनको मैं बताना चाहता हूं कि ये मीणा हाईकोर्ट का नाम कैसे पडा। मैं फैसले को गलत मानता हूं। इसी जगह से पंचों को छुडाने 50 हजार लोग दौसा कलेक्ट्रेट की तरफ बड रहे थे। थोडा आगे चले और पुलिस ने हमें 14 पंचों को लाकर सौंप दिया। मैं आज तक समझ नहीं पाया, पुलिस ने पंचों को लाकर हमें क्यों दिया। वो तो कह रहे थे हाईकोर्ट जाना पडेगा।

किरोडी बोले- गुर्जर-मीणा राम और लक्ष्मण की तरह

किरोडी ने कहा- आपने देखा होगा चुनौती बन गई पांचना का पानी खोलो। हमारी मीणा-गुर्जर जाति किसान जाति है। हमसे लडो मत, गुर्जर और मीणा राम लक्ष्मण की तरह है। गुर्जर भाइयों ये तो याद रखो, सचिन पायलट, राजेश पायलट को स्थापित करने वाले दौसा के मीणा हैं। तुम अपने आदमी को मुख्यमंत्री बनाने की सोच रहे हो तो याद रखो। राम के बिना नहीं होगा। हमसे लडो मत, हम आपके भाई हैं। हम भी किसान हैं और आप भी किसान हो। 20 साल बाद मैंने पांचना का पानी खुलवाया। ये मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री सब किस्मत का खेल है। किसी ने कहा- पार्टी गलत है आप तो सही हो। मैंने कहा- पार्टी सही है, इसी पार्टी ने मुझे विचारधारा दी है। मेरे नारे नहीं लगाएं।

जयपुर सहित कई शहरों में कॉलोनियां-सड़कें डूबीं

जयपुर में तेज बारिश, गलताजी की सीढ़ियों पर बहा पानी, सड़क पर भरे पानी में धरने पर बैठे लोग; कानोता बांध लबालब, बस्सी के तूंगा में 19एमएम बरसे बादल

जयपुर। राजधानी जयपुर में रविवार सुबह से ही भारी बारिश का दौर शुरू हो गया। इस तेज बारिश के कारण सिरसी रोड, वैशाली नगर, सांगानेर, गोपालपुरा और कालवाड़ समेत शहर के कई इलाकों में सड़कों पर भारी जलभराव हो गया। सड़कों पर जमा पानी की निकासी के लिए प्रशासन ने तुरंत मडपंप लगाए और वॉटरलॉगिंग (जलभराव) की समस्या को दूर करने का प्रयास किया। वहीं, निवारू रोड के लोग सड़क पर भरे पानी में धरने पर बैठ गए। प्रशासन से समस्या का समाधान जल्द करने की मांग उठाई। दूसरी ओर, जयपुर के ग्रामीण इलाकों में भी रात से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है। जिले में सबसे ज्यादा बरसात आगरा रोड स्थित तूंगा में दर्ज की गई। लगातार हो रही इस बारिश के चलते आगरा रोड पर स्थित प्रसिद्ध कानोता बांध भी ओवरफ्लो हो गया और वहां पानी की चादर चलने लगी। वहीं, शहर के फूटा खुर्रा इलाके में भी सड़कों पर पानी भर गया और गलता जी मंदिर परिसर की सीढ़ियों से पानी बहने लगा।

मडपंप लगाकर निकाला गया सड़कों पर भरा पानी

जयपुर शहर में हुई हल्की बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। ड्रेनेज एंट्री पॉइंट पर कचरा फंसने और कई जगहों पर पानी की सुचारू निकासी न होने के कारण वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। न्यू गेट के पास सड़क किनारे जमा पानी को निकालने के लिए प्रशासन को मडपंप लगाना पड़ा, जिसके बाद पानी की निकासी की जा सकी।

सड़कों पर पानी बहा, बच्चे नहाने लगे

जयपुर शहर के चारदीवारी एरिया में दिन में हुई तेज बारिश के बाद रामगंज, घाटगेट, गलता रोड, ब्रह्मपुरी, आमेर समेत कई जगह पानी की आवक हुई। छुट्टी के चलते बच्चे और बड़े सभी बारिश का आनंद लेते नजर आए। चारदीवारी में बच्चे बारिश के बीच सड़क पर बहते पानी में नहाते नजर आए। इधर नाहरगढ़, आमेर से लगती पहाड़ियों पर भी छोटे-छोटे झरने चलने लगे, जहां लोग बारिश और मौसम का मजा लेते दिखे।

बारिश से गिरा तापमान, उमस से मिली राहत

जयपुर में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। कल दिन का अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस और बीती रात का न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूरे जयपुर में आज सुबह से ही घने काले बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं चलने के साथ कई इलाकों में रिमझिम फुहारें गिरती रहीं, जिससे लोगों को उमस से बड़ी राहत मिली है।

सामान्य से 25 फीसदी कम बरसे बदरा

राजधानी जयपुर में इस मानसून सीजन में अब तक कुल 243.2 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो कि सामान्य बारिश से करीब 25 फीसदी कम है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जयपुर में 1 जून से 8 अगस्त तक सामान्य तौर पर 322.3 मिमी बारिश होती है, लेकिन इस बार मानसून की बारिश का आंकड़ा सामान्य से थोड़ा पीछे चल रहा है।

निकाय-पंचायत चुनावः आरक्षण लॉटरी पर टिकी नजरें

परिसीमन के बाद कोटा शहर में 50 वार्ड घटे, निगम में 8.24 लाख वोटर; 721 बूथों पर होगी वोटिंग

कोटा। कोटा में नगर निकाय-पंचायत चुनावों की तैयारी तेज हो चुकी है। नगर निकाय और पंचायतीराज चुनावों के तहत इस बार कुल 15.29 लाख मतदाता वोट करेंगे। ये मतदाता गांव और शहर की सरकार बनाने के लए 2559 जनप्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। चुनाव का सबसे बड़ा आकर्षण नवगठित पंचायत समिति चेचट और नई नगर पालिका सुल्तानपुर होंगे, जहां पंचायत समिति बनने के बाद पहली बार

मतदान होने जा रहा है। वर्तमान में सभी राजनीतिक दलों और भावी प्रत्याशियों की धड़कनें अगले सप्ताह प्रस्तावित आरक्षण लॉटरी पर टिकी हुई हैं। कोटा नगर निगम में कार्यकाल दिसंबर 2025 में समाप्त हो चुका था। इस बार नगर निगम का पूरा स्वरूप बदल चुका है। पहले कोटा उत्तर (70 वार्ड) और कोटा दक्षिण (80 वार्ड) मिलाकर कुल 150 पार्षद चुने जाते थे।

दोनों निगमों के मर्ज और नए परिसीमन के बाद अब कोटा नगर निगम में कुल 100 वार्ड ही रह गए हैं। यानी इस बार सीधे 50 पार्षदों के पद समाप्त हो गए हैं, जिससे राजनीतिक गलियारों में टिकट पाने के लिए प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी हो गई है।

प्रभा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में अपना घर सेवा समिति डीग की मीटिंग संपन्न हुई

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा डीग। अपना घर सेवा समिति डीगकी महिला एवं पुरुष कार्यकारिणी की बैठक स्थानीय कार्यालय में अपना घर सेवा समिति बझेरा भरतपुर द्वारा नियुक्त डीग की क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीमती प्रभा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई जिसमें समिति के वित्त सचिव दिनेश पाराशर ने 2025/26 का आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया एवं गत वर्ष में किए गए विभिन्न कार्यक्रमों को सभी को बताया गया इसी तरह महिला वित्त सचिव अर्चना शर्मा ने भी महिलाओं के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया । इस अवसर पर संस्थापक श्री चंद्रभान जी शर्मा द्वारा वर्ष भर किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी महिला कार्यकारिणी की अध्यक्ष सुचित्रा सिंह ने महिलाओं द्वारा किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी । क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रभा गुप्ता द्वारा वर्षभर किए जाने वाले कार्यों एवं आय व्यय के बारे में तथा अन्य टंजानकारियां साझा की । इस मौके पर पुरुष कार्यकारिणी के सदस्यों में सुरेश चंद्र गुप्ता, बृजभूषण शर्मा, शिवचरण शर्मा, ललित तिवारी, सोमनाथ अरोड़ा, जगदीश यादव, सोहनलाल श्रीपुर, मनोहर लाल शर्मा, ब्रजराज सिंह, महेश चंद शर्मा, कोकाराम जैन आदि उपस्थित थे, जबकि महिला कार्यकारिणी के सदस्यों में श्रीमती सुचित्रा सिंह, ललिता शर्मा, अर्चना शर्मा, बीना मुद्गल, राधा शर्मा, पार्वती शर्मा आदि उपस्थित थी । यह जानकारी समिति के वित्त सचिव दिनेश पाराशर द्वारा दी गई ।

लेविन इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी एकेडमी में पीटीएम का आयोजन

● अतुल्य संसार नेटवर्क

विजयपाल सैनी शाहपुरा/अमरपुरा, शाहपुरा। लेविन इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी एकेडमी, अमरपुरा, शाहपुरा में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति एवं सर्वांगीण विकास को लेकर अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTM) का आयोजन किया गया। बैठक में विद्यार्थियों के अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।बैठक के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों को उनके बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, नियमित उपस्थिति, अनुशासन, व्यवहार एवं कक्षा में सहभागिता के संबंध में जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों की पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए गए। अभिभावकों ने भी शिक्षकों के साथ अपने बच्चों की शिक्षा एवं विद्यालयी गतिविधियों से संबंधित विचार साझा किए। निदेशक सुरेंद्र कुमार यादव ने कहा कि अभिभावक-शिक्षक बैठक विद्यार्थियों की प्रगति को समझने और उनकी कमियों को दूर करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन एवं आत्मविश्वास प्रदान करना है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा में नियमित सहयोग करने का आह्वान किया। मैनेजिंग डायरेक्टर संतोष कुमार यादव ने कहा कि विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास में विद्यालय और अभिभावकों की संयुक्त भूमिका महत्वपूर्ण होती है। नियमित संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत क्षमताओं को और बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर राजेश यादव, सुरेश यादव, रामगोपाल यादव, आदित्य देव, अनिल कुमार, प्रमोद कुमार, निर्मला, कोयल, कोमल, पूनम, नेहा, तनिषा, वंशिका, ममता, रीतू, अनिशा, सीमा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। बैठक का उद्देश्य विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर एवं सर्वांगीण विकास को और अधिक प्रभावी बनाना रहा।

झुंझुनूं जिले में बनेगी अत्याधुनिक रेजिडेंशियल क्रिकेट अकादमी, एक नवंबर से शुरू होंगे प्रवेश

25 बीघा में तैयार हो रही एकेडमी, शेखावाटी की प्रतिभाओं को मिलेगा आधुनिक प्रशिक्षण

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी / बुगाला। शेखावाटी क्षेत्र के उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों को अब आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। झुंझुनूं जिले के छऊ गांव में 25 बीघा भूमि पर पीएल दड़िया रेजीडेंशियल क्रिकेट एकेडमी का निर्माण अंतिम चरण में है। यहां 1 नवंबर 2026 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अकादमी में शेखावाटी सहित राजस्थान और देश के अन्य राज्यों के खिलाड़ी प्रवेश ले सकेंगे। एकेडमी के संस्थापक प्यारेलाल दड़िया ने बताया कि उद्देश्य केवल क्रिकेट सिखाना नहीं, बल्कि ऐसे अनुशासित, मानसिक रूप से मजबूत और शारीरिक रूप से सक्षम खिलाड़ी तैयार करना है जो राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन करें। उन्होंने

कहा कि गांवों में भी प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत केवल उचित मार्गदर्शन और आधुनिक संसाधनों की है। अकादमी परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप क्रिकेट मैदान तैयार किया जा रहा है, जहां ऑस्ट्रेलियन किस्म की बरमूडा घास बिछाई जा रही है। मैदान निर्माण का कार्य जयपुर के विशेषज्ञों की देखरेख में चल रहा है। खिलाड़ियों के लिए बीसीसीआई प्रमाणित एवं अनुभवी कोचिंग स्टाफ, वातानुकूलित रेजिडेंशियल हॉस्टल, अटैच शौचालय व स्नानघर, आधुनिक प्रैक्टिस नेट्स, अत्याधुनिक जिम, स्विमिंग पूल, वैज्ञानिक फिटनेस एवं स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, संतुलित स्पोर्ट्स डाइट तथा नियमित मैच प्रैक्टिस जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।अकादमी में खेल विज्ञान के सिद्धांतों के अनुरूप खिलाड़ियों की दैनिक दिनचर्या तैयार की जाएगी। पौष्टिक भोजन के साथ अंकुरित अनाज, मौसमी फल, अंडे, उबले आलू और अन्य पोषणयुक्त आहार दिया जाएगा। सप्ताहभर के अभ्यास के बाद प्रत्येक शनिवार मनोरंजन संध्या का आयोजन भी होगा, जिससे खिलाड़ियों को तनावमुक्त और सकारात्मक वातावरण मिल सके। दड़िया ने बताया कि इस पहल को आगे बढ़ाने में जिला क्रिकेट संघ के सचिव हरिश्चंद्र सिंह तथा जिला खेल अधिकारी राजेश ओला का समय-समय पर मार्गदर्शन मिलता रहा है। अकादमी प्रबंधन का लक्ष्य भविष्य में ऐसे खिलाड़ी तैयार करना है, जो भारतीय क्रिकेट टीम तक पहुंचकर शेखावाटी का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर सकें।

पहली बार राजस्थान की 92 जातियों की स्थिति...

सपेरा जाति की राज न नीति

ओबीसी में जाट सबसे ताकतवर, 22 हजार परिवार राजनीति में: गुर्जर दूसरे नंबर पर

अन्य पिछड़ा वर्ग की 92 जातियों में 17 से 20 ही ऐसी हैं, जिनका राजनीतिक भागीदारी, सरकारी नौकरी से लेकर खेती और दूसरे संसाधनों पर पूरा दबदबा है। 18 जातियां ऐसी हैं जिनके 100 लोग भी सरकारी सेवा में नहीं हैं। सपेरा जाति का एक भी व्यक्ति न राजनीति में भागीदार है न सरकारी नौकरी में है। पंचायतीराज और स्थानीय निकाय चुनावों के लिए ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए ओबीसी राजनीतिक प्रतिनिधित्व आयोग की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट से निकाय, पंचायतीराज संस्थाओं में ओबीसी आरक्षण तय होगा

ओबीसी राजनीतिक प्रतिनिधित्व आयोग की इस रिपोर्ट के आधार पर शहरी निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं में ओबीसी का आरक्षण तय होगा। ओबीसी के लिए कौनसे निकाय में निकाय प्रमुख के पद और वार्ड आरक्षित होंगे, यह सरकार इस रिपोर्ट से तय करेगी। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में राजनीतिक भागीदारी में पिछड़ी जातियों को आगे लाने के लिए सिफारिश की है।

रिपोर्ट में एमबीसी की गुर्जर सहित 5 जातियों को भी ओबीसी के साथ गिना

आयोग की रिपोर्ट में एमबीसी की गुर्जर सहित 5 जातियों को भी ओबीसी के साथ गिना गया है। गुर्जर,बंजारा/ बाल्दिया/ लबाना,गाड़िया लुहार, रेबारी/रायका/ देवासी, गडरिया (गाडरी) को ओबीसी के साथ गिना गया है।

ओबीसी आयोग अध्यक्ष बोले– हमने बंद कमरों में बैठकर रिपोर्ट नहीं बनाई

ओबीसी आयोग के अध्यक्ष रिटायर्ड जज एमएल भाटी ने रिपोर्ट सौंपने के बाद कहा- हमने बंद कमरों में बैठकर रिपोर्ट तैयार नहीं की। ओबीसी वर्ग से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाए हैं और उम्मीद है कि इनका लाभ संबंधित वर्ग को मिलेगा। हमने 19 पॉइंट पर सर्वे किया। ओबीसी की जातियों के सामाजिक, आर्थिक, राजनीकि पिछड़ेपन का भी आकलन करके ब्योरा दिया है। कौन-से वार्ड आरक्षित किए जाएंगे, इसका फैसला सरकार और प्रशासन करेंगे।

नेता प्रतिपक्ष बोले- सरकार तत्काल सार्वजनिक करे ओबीसी आयोग की रिपोर्ट

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का कहना है कि राजस्थान सरकार को ओबीसी आयोग की रिपोर्ट तत्काल सार्वजनिक करनी चाहिए। उस रिपोर्ट में आखिर क्या है, यह जानने का जनता को पूरा हक है। पारदर्शिता से भागना भाजपा सरकार की आदत बन चुकी है।

एक्सपर्ट बोले- नई बहस छिड़ेगी

क्वांटिफाइड डेटा के सर्वे से ओबीसी की जातियों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक तस्वीर सामने आ गई है। इससे यह साबित हो गया है कि अब भी ओबीसी की बहुत सी जातियों में गरीबी और पिछड़ापन हावी है, उनकी राजनीतिक और सरकारी नौकरियों में भागीदारी न के बराबर है। इसे लेकर नई बहस छिड़ेगी।

वंचित जातियों के नेताओं को टिकट की मांग तेज होगी

सरकार और राजनीतिक पार्टियों के लिए ओबीसी राजनीतिक प्रतिनिधित्व आयोग की रिपोर्ट के गहरे सियासी मायने हैं। आयोग के सर्वे में सामने आए डेटा और जमीनी हालत के बाद सरकार भी नया टास्क हाथ में ले सकती है। वंचित जातियों को राजनीतिक भागीदारी और सरकारी नौकरियों में आगे लाने के लिए नए सिरे से प्लान बनाने पर जोर दिया जा सकता है। राजनीतिक दलों में भी वंचित जातियों से टिकट ज्यादा देने पर विचार होगा, वंचित जातियों के नेता इसकी मांग भी उठाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार ओबीसी की 92 जातियों में केवल 17 जातियां ही ऐसी हैं जिनके 2000 से ज्यादा परिवारों को राजनीतिक भागीदारी मिली है। 22 जातियां ऐसी हैं जिनके 100 परिवारों को भी राजनीति में भागीदारी नहीं मिली है।

ओबीसी में राजनीतिक भागीदारी वाले परिवारों की कुल संख्या के मामले में जाट टॉप पर हैं। गुर्जर राजनीतिक भागीदारी के मामले में दूसरे और माली, सैनी तीसरे नंबर पर हैं।

पानी रूठा, खाद अटकी

प्रदेश को 1.58 लाख मीट्रिक टन डीएपी कम सप्लाई,खरीफ पर दोहरी मार: 12 लाख हेक्टेयर बुआई भी कम

जयपुर। मानसून के पहले दौर में कमजोर बारिश से प्रदेश के किसान खरीफ की बुआई में पिछड़ गए, अब खाद की किल्लत ने उनकी मुश्किल बढ़ा दी हैं। पिछले साल के मुकाबले इस बार 12 लाख हेक्टेयर कम क्षेत्र में खरीफ फसलों की बुआई हुई है। पिछले साल 143 लाख हेक्टेयर में बुआई हो चुकी थी, जबकि इस बार केवल 131 लाख हेक्टेयर में ही फसलें बोई जा सकी हैं। मानसून की सक्रियता से प्रदेश के कई इलाकों में बारिश हुई तो किसानों ने दूसरे दौर में 16.60 लाख हेक्टेयर में बिना डीएपी व एनपीके के ही बुआई कर दी। खाद नहीं मिलने से फसलें कमजोर हैं। वहीं, राजस्थान को आवंटन के बावजूद 1.58 लाख मीट्रिक टन डीएपी नहीं मिला है। प्रदेश को 3.32 लाख मीट्रिक टन डीएपी आवंटित हुआ था, लेकिन अब तक 1.74 लाख मीट्रिक टन ही मिल सका है। आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल का दावा है कि फिलहाल केवल डीएपी को लेकर दिक्कत है, यूरिया व एनपीके का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

अभी प्रदेश में औसत से 11.20त्न कम बारिश प्रदेश में अब तक औसत 256.24 के मुकाबले 227.54 मिमी बारिश हुई है। यानी 11.20त्न कम बारिश हुई है। पिछले साल इस अवधि तक 409.09 मिमी बारिश हो चुकी थी।

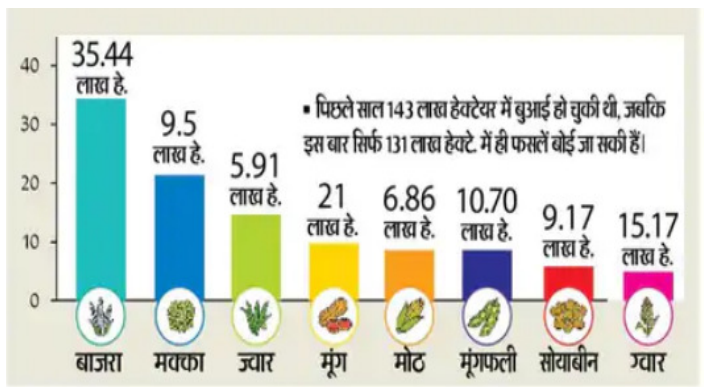

किसानों के हिस्से की खाद दूसरे राज्यों में डायवर्ट सरकारी आंकड़ों में खाद का स्टॉक पर्याप्त है, लेकिन किसानों तक पहुंचने के बजाय डीएपी व यूरिया दूसरे राज्यों में डायवर्ट होने का आरोप है। कृषि विभाग की सुस्त मॉनिटरिंग के कारण यहां आवंटित खाद उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, हरियाणा व पंजाब जा रहा है। कृषि कार्य के लिए आवंटित खाद का कॉमर्शियल उपयोग भी हो रहा है। कृषि विभाग की मॉनिटरिंग में सुस्ती का फायदा दुकानदार और सोसाइटियां उठा रही हैं। किल्लत दिखाकर खाद की कालाबाजारी की जा रही है। प्रदेश में 10 कंपनियां खाद की सप्लाई करती हैं। केंद्र सरकार राज्यवार कंपनियों के हिसाब से खाद का आवंटन करती है।

80% बुआई

मानसून की बेरुखी के कारण इस साल लक्ष्य की तुलना में बाजरा, मक्का, धान, ज्वार व दालों की सिर्फ 80त्न बुआई हुई है। अब यूरिया, डीएपी व एनपीके की किल्लत से फसलें चौपट होने के कगार पर पहुंच गई हैं। आवंटन से कम पहुंचा यूरिया, डीएपी व एनपीके राजस्थान को यूरिया का 7.18 लाख मीट्रिक टन आवंटन हुआ, लेकिन 6.48 लाख मीट्रिक टन ही सप्लाई हुआ। यानी 70 हजार मीट्रिक टन कम मिला। डीएपी का 3.32 लाख मीट्रिक टन आवंटन था, लेकिन 1.74 लाख मीट्रिक टन ही मिला। एनपीके का 1.39 लाख मीट्रिक टन आवंटन हुआ था, लेकिन 66 हजार मीट्रिक टन ही सप्लाई हुई। 266 रुपए का यूरिया किसान तक पहुंचते 500 का हुआ किसानों का आरोप है कि सरकार यूरिया का पर्याप्त स्टॉक होने का दावा कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत अलग है। 266 रुपए में मिलने वाला यूरिया थोक स्तर पर 400 रुपए तक और किसान तक पहुंचते-पहुंचते 500 रुपए तक बिक रहा है। जरूरत न होने के बावजूद नैनो यूरिया खरीदने के लिए भी किसानों को मजबूर किया जा रहा है।

निकाय-चुनाव: अगले सप्ताह निकल सकती है वार्डों की आरक्षण लॉटरी

जयपुर। राजस्थान में आगामी नगरीय निकाय (नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिका) चुनावों के लिए वार्डों की आरक्षण लॉटरी 13 और 14 अगस्त को निकाले जाने की संभावना है। माना जा रहा है कि यह लॉटरी सभी जिलों में जिला कलेक्टर की निगरानी में निकाली जाएगी। वहीं, निकाय प्रमुखों (मेयर, सभापति और चेयरमैन) के पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी संभावित रूप से 14 अगस्त को स्वायत्त शासन निदेशालय में निकाली जाएगी। प्रदेश के सभी 309 नगरीय निकायों में अगले महीने चुनाव करवाए जाने की तैयारी है।

पीएम मोदी से मिलने पहुंचे कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट: भारत ने 39 मेडल जीते थे, मेडल टैली में चौथे स्थान पर रहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थोडी ही देर में कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिलेंगे। प्लेयर्स की बस प्रधानमंत्री आवास पहुंच चुकी है। मुक्केबाज लवलीना बोरगेहन और वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने कहा- हम प्रधानमंत्री से मिलने के लिए एक्साइटेड हैं। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज समेत कुल 39 मेडल जीते। भारत मेडल टैली में चौथे नंबर पर रहा।

मुक्केबाज भारत का सबसे बड़ा मेडल बैंक

भारत के 39 पदकों में सबसे बड़ा योगदान बॉक्सिंग का रहा। मुक्केबाजों ने 7 गोल्ड और 3 सिल्वर समेत कुल 10 मेडल जीते। यानी हर चार में से एक मेडल बॉक्सिंग से आया। एथलेटिक्स में 10 मेडल आए, लेकिन इसमें गोल्ड नहीं मिला। वेटलिफ्टिंग से 8, पैरा एथलेटिक्स से 6, जूडो से 4 और पैरा पावरलिफ्टिंग से 1 मेडल मिला। कुल मिलाकर 39 में से 37 पदक सिर्फ पांच खेलों से आए।

CJI को यूनिवर्सिटी इवेंट में चीफ गेस्ट बनाने का विरोध

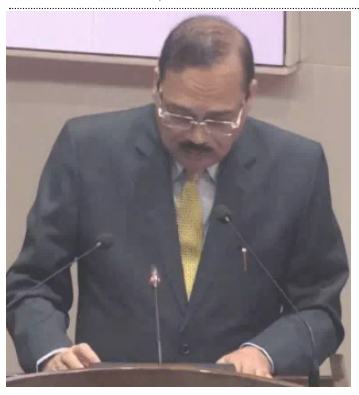

हैदराबाद लॉ यूनिवर्सिटी के छात्र बेरोजगारों को कॉकरोच कहने से नाराज; बोले- फैसले पर विचार करें

हैदराबाद। हैदराबाद की नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी के करीब 450 स्टूडेंट्स ने 2026 दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाने का विरोध किया है। छात्रों ने नीट विवाद और हालिया कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के दौरान हुए घटनाक्रमों को लेकर यह आपत्ति जताई है। 2026 बैच के छात्रों के एक ग्रुप ने यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार, फैकल्टी सदस्यों और प्रशासन के अन्य सदस्यों को लेटर लिखा है। इसमें उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश को मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाने के फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है।

छात्रों ने संवैधानिक जवाबदेही का हवाला दिया

छात्रों के लिखे लेटर के मुताबिक उनका विरोध सुप्रीम कोर्ट में प्रोटेस्ट के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई के घटनाक्रमों से जुड़ी चिंताओं के कारण है। विरोध कर रहे छात्रों ने संवैधानिक जवाबदेही और अकादमिक स्वतंत्रता को भी अहम बताया है। छात्रों ने कहा है कि मौजूदा हालात में सीजेआई सूर्यकांत को समारोह में बुलाना इन मूल्यों के अनुरूप नहीं होगा। छात्रों ने इसे ही आधार बनाते हुए उन्हें चीफ गेस्ट के रूप में बुलाने के फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान युवाओं पर टिप्पणी की थी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा था- कॉकरोच की तरह ऐसे युवा हैं, जिन्हें इस पेशे में रोजगार नहीं मिल रहा है। इनमें से कुछ मीडिया, कुछ सोशल मीडिया और कुछ **RTI** और दूसरे तरह के एक्टिविस्ट बन रहे हैं। ये हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं।' इस बयान के बाद ही 16 जुलाई को अभिजीत दीपके नाम के शख्स ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से सोशल मीडिया पेज बनाया। इसने ही दिल्ली जंतर-मंतर पर 35 दिन तक प्रदर्शन किया था।

केजरीवाल बोले- देश में ई20 लागू किया जा रहा है

विरोध करने वालों की पोस्ट तक सोशल मीडिया से हटाई जा रही हैं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ई 20 को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोगों की अपनी आवाज उठाने से रोक रही है। एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में उन्होंने कहा- जो ई-20 के खिलाफ आवाज उठाता है, उसका पेज डाउन करा देते हैं। उसका वीडियो डिलीट करवा देते हैं। उसके अकाउंट पर एफआईआर करा देते हैं। गुंडागर्दी करते हैं। तरह-तरह से उसको परेशान करते हैं। उन्होंने सवाल किया कि इस तरह पीएम मोदी 140 करोड़ लोगों को कैसे दबा पाएंगे?

केजरीवाल ने वीडियो में पीएम मोदी पर चुटकुला सुनाया-

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी की पुलिस के बीच जंगल में छोड़े गए शेर को खोजने का कॉम्पिटीशन हुआ। ट्रम्प की पुलिस 24 घंटे में शेर को लेकर आ गई और पुतिन की पुलिस एक घंटे में शेर को खोज लाई। लेकिन, मोदीजी की पुलिस को कई दिन लग गए। तलाशी के दौरान पता चला कि वे एक कुत्ते को पकड़कर बुरी तरह पीट रहे थे और उससे कहलवाने की कोशिश कर रहे थे कि बोल मैं शेर हूं। केजरीवाल ने कहा- मोदीजी ने आज देश की यही स्थिति कर दी है। 140 करोड़ लोगों को पीटा जा रहा है और उनसे कहा जा रहा है कि वे कहें- ई-20 सही है।

ममता बोलीं- मेरी गाड़ी पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके गए:पुलिस के सामने लोगों ने हमला किया, खिड़की खुली होती तो सिर चकनाचूर हो जाता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि उनकी गाडी पर पत्थरों से हमला किया गया। पुलिस के सामने भीड ने गाडी रोक ली। कार पर मिट्टी और कीचड लगा दिया। कुछ लोगों ने जूते-पत्थर भी फेंके। अगर खिड़की खुली होती तो सिर चकनाचूर हो जाता, मौत भी हो सकती थी। दरअसल ममता उत्तर 24 परगना जिले में एक टीएमसी कार्यकर्ता की मौत के बाद उसके परिवार से मिलने जा रहीं थीं। रास्ते में बिजपुर के पास स्थानीय भीड ने उनका काफिला रोक लिया। प्रदर्शनकारियों ने 'चोर-चोर के नारे लगाए।

ममता बोलीं- पूरा पश्चिम बंगाल गुंडों के कंट्रोल में है

ममता बनर्जी ने कहा, मेरी कार पर हमला एक साजिश के अलावा कुछ नहीं है। मैंने पुलिस को बताया था कि मैं यहां आऊंगी, इसके बावजूद पुलिस ने कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं किए। पूरे पश्चिम बंगाल को गुंडे नियंत्रित कर रहे हैं। दरअसल ममता तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता बिरजू

केओट की मौत के बाद उनके परिवार से मिलने आई थीं। बिरजू की मौत हालीशहर पुलिस की हिरासत में तबीयत बिगड़ने के बाद हुई थी।

ममता से जुडा हिंसा-मारपीट का 3 महीने में तीसरा मामला

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 8 जुलाई को टीएमसी की रैली में हंगामा हो गया था। इस दौरान ममता बनर्जी नाराज हो गई। वे अपनी ही पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं को थप्पड़ मारते नजर आई थीं। दरअसल, रैली बारुईपुर में 11 साल की बच्ची के साथ रेप-मर्डर के विरोध में निकाली जा रही थी। इस दौरान चोर-चोर के नारे लगने लगे और कुछ लोगों ने रैली में शामिल लोगों पर अंडे फेंकने शुरू कर दिए। टीएमसी ने आरोप लगाया कि हंगामा भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया। इस दौरान ममता मारपीट भी की। ममता ने कहा कि बंगाल में अराजकता फैल गई है। पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रही है।

4 मई: ममता का आरोप स्ट्रॉन्ग रूम के अंदर मुझे मारा, धक्का दिया गया

4 मई को बंगाल विधानसभा में रिजल्ट वाले दिन ममता बनर्जी ने काउंटिंग सेंटर से बाहर निकलने पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि काउंटिंग सेंटर के अंदर उनपर हमला किया गया। उन्हें मारा गया और धक्का दिया गया। ममता ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए गए थे।

मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी ममता के पास जेड+ सिक्योरिटी

ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी उनकी जेड+ सुरक्षा बरकरार है। मई 2026 में पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद उनके आवास के बाहर की अतिरिक्त पुलिस व्यवस्था कम की गई थी, लेकिन जेड+ सुरक्षा हटाई नहीं गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी की जेड+ सुरक्षा में करीब 55 कर्मियों का सुरक्षा घेरा रहता है। अगर सुरक्षा एजेंसियों को किसी नेता पर गंभीर खतरा लगता है, तो सीएम पद छोड़ने के बाद भी'+ सुरक्षा जारी रह सकती है। नेता अगर अभी भी सक्रिय राजनीति में है और लगातार रैलियों, सभाओं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाता है, तो सुरक्षा की जरूरत बनी रहती है। सुरक्षा एजेंसियां समय-समय पर खतरे की समीक्षा करती हैं। खतरा कम होने पर सुरक्षा घटाई जा सकती है और बढ़ने पर बढ़ाई भी जा सकती है।

ट्रॉले ने वैन को टक्कर मारी, 6 दोस्तों की मौत:महाकाल दर्शन कर गुजरात लौट रहे थे; ग्राइंडर से गाडी काटकर निकाले जा सके शव

बदनावर (धार)। धार जिले के बदनावर में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रॉले ने वैन को सामने से ऐसी टक्कर मारी कि वह पिचक गई। वैन में सवार सभी छह श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। वे गुजरात में वडोदरा के रहने वाले थे और उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर लौट रहे थे। गाडी की हालत ऐसी थी कि उसकी बॉडी काटकर दो शव निकाले जा सके। ट्रॉला ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। हादसा रविवार दोपहर करीब 1 बजे पंचकवास गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर हुआ। सूचना मिलते ही बदनावर टीआई अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला।

तीन लोगों की पहचान हुई

हादसे में जान गंवाने वाले सभी 6 लोग आपस में दोस्त थे। इनमें से तीन की पहचान- मयूर कुमार पिता प्रकाश भाई निवासी गोधरा, विशाल कुमार पिता रमेश भाई निवासी पंचमहाल, राकेश पिता भूपतसिंह मकवाना निवासी पंचमहाल के रूप में हुई। इनमें से एक रॉयल एन्फील्ड शोरूम में काम करता था। बाकी पांच फाइनेंस कंपनी में थे।

ट्रॉले में लोहे का सामान भरा था

पुलिस ने कहा- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वैन में 6 लोग सवार थे। ट्रॉला नंबर **GJ**39 **DB** 9248 रॉन्ग साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था। इसमें लोहे का सामान भरा था। वहीं, मारुति ईको वैन नंबर **GJ**17 **CK** 6134 उज्जैन से गुजरात की ओर जा रही थी। कलेक्टर राजीव रंजन मीणा, एसपी सचिन शर्मा, एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरकर ने घटनास्थल पर पहुंचकर जायजा लिया। कलेक्टर मीणा ने बताया कि ट्रॉला ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है।

वेणुगोपाल बोले-कांग्रेसी ऐसे बयान न दें, जिससे बीजेपी खुश हो

थरूर ने राहुल के छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर कहा था- ये असर नहीं डाल सका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को पार्टी नेताओं को भाजपा को खुश करने वाले बयान देने से बचने को कहा। वेणुगोपाल ने यह टिप्पणी शशि थरूर के राहुल गांधी के दिए बयान को लेकर की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक थरूर ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम जेन-जी के बीच उतना असर नहीं डाल सका, जितना 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शनों ने डाला था। वेणुगोपाल ने कहा कि उन्होंने थरूर का बयान केवल कुछ मीडिया चैनलों पर पढ़ा है और वे ठीक-ठीक नहीं सुन पाए कि थरूर ने क्या कहा था। उन्होंने कहा कि थरूर की टिप्पणी के बारे में सीधे उन्हीं से पूछा जाना चाहिए। वेणुगोपाल ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि थरूर ने जानबूझकर ऐसी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा, हम सभी को ध्यान रखना चाहिए, चाहे जानबूझकर या अनजाने में। सार्वजनिक बयान देते समय सावधानी रखनी चाहिए।

फुकेट-दिल्ली फ्लाइट पायलट का डोप टेस्ट पॉजिटिव होने की खबर

एअर इंडिया विमान टर्बुलेंस से 300 फीट नीचे आ गया था, 4 अगस्त की घटना

नई दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट के दो पायलटों में से एक का डोप टेस्ट फेल होने का दावा किया जा रहा है। यह फ्लाइट 4 अगस्त को तेज टर्बुलेंस में फंस गई थी और अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गई थी इंडिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से बताया कि घटना के बाद दोनों पायलटों का पोस्ट-फ्लाइट ड्रग स्क्रीनिंग टेस्ट कराया गया था। इनमें से एक पायलट की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सूत्रों के मुताबिक, जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है। फ्लाइट में 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर सवार थे। हवा में टर्बुलेंस के दौरान विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया था, जिससे 17 लोग घायल हुए थे। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बताया था कि टर्बुलेंस करीब 5 मिनट तक रहा।

एअर इंडिया ने कहा- हमें टेस्ट का रिपोर्ट नहीं मिला

एअर इंडिया ने अपने पायलट के डोप टेस्ट फेल होने की खबर की पुष्टि या खंडन नहीं किया है। एयरलाइन ने कहा कि फ्लाइट के बाद तय

प्रोटोकॉल के तहत पायलटों का ड्रग स्क्रीनिंग टेस्ट कराया गया था, लेकिन टेस्ट के रिपोर्ट अभी एअर इंडिया के साथ शेयर नहीं किए गए हैं। इसलिए वह मामले पर टिप्पणी नहीं कर सकते हैं। एअर इंडिया ने यह भी कहा कि वह नागरिक विमानन नियमों के तहत अपने क्रू मेंबर्स का नियमित ड्रग टेस्ट कराती है। ये टेस्ट किसी खास फ्लाइट या घटना से अलग भी नियमित रूप से किए जाते हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए मामले की जांच कर रही है।

डीजीसीए जांच में कई पहलुओं को देख रहा

सूत्रों के मुताबिक, डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन इस मामले की हर पहलू से जांच कर रहा है। जांच में यह देखा जा रहा है कि टर्बुलेंस के दौरान स्थिति से निपटने का तरीका सही था या नहीं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह घटना सिर्फ खराब मौसम की वजह से हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण था।

FIP अध्यक्ष बोले- दावा करना जल्दबाजी होगी

फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स के अध्यक्ष कैप्टन सीएस रंधावा ने कहा कि अभी पुष्टि नहीं हुई है कि पायलट का टेस्ट पॉजिटिव आया है। जब तक आधिकारिक रिपोर्ट सामने नहीं आती, तब तक ऐसा दावा करना जल्दबाजी होगी। एयरलाइन ने भी किसी पॉजिटिव रिपोर्ट की पुष्टि नहीं की है। अगर पायलट का टेस्ट पॉजिटिव होता, तो एयरलाइन इसकी जानकारी **DGCA** को देती।

केंद्रीय मंत्री बोले- सरकार मामले को गंभीरता से देख रही

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने 8 अगस्त को कहा था कि सरकार मामले को गंभीरता से देख रही है। उन्होंने आगे बताया कि टर्बुलेंस की घटना के बाद घायल हुए ज्यादातर यात्रियों को शुरुआती कुछ घंटों में ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। करीब 24 यात्रियों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हुई थी। उन्हें अस्पताल ले जाकर पूरी जांच कराई गई और डिस्चार्ज कर दिया गया।

टर्बुलेंस में अचानक कई फीट नीचे आ सकता है विमान

टर्बुलेंस का मतलब है हवा का बहाव अचानक बदल जाना, जिससे विमान को झटके लगने लगते हैं। इस दौरान विमान कुछ समय के लिए ऊपर-नीचे या दाएं-बाएं हिल सकता है और कभी-कभी कुछ फीट नीचे भी आ जाता है।

जेन-जी आंदोलन के बाद पार्टियां रणनीति बदल रहीं

2027 में 7 राज्यों में चुनाव, 22% वोटर जेन-जी; 5% इधर-उधर हुए तो सरकारें बदल सकती हैं

नई दिल्ली। अगले साल 7 राज्यों- उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन चुनावों में जेन-जी यानी 18 से 29 साल के मतदाता अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसके पीछे दो बड़ी वजहें हैं। पहली, जुलाई में दिल्ली में हुआ जेन-जी आंदोलन, जिसने युवाओं के राजनीतिक रुझान को लेकर नई बहस छेड़ी। दूसरी, बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया उपचुनाव के चौंकाने वाले नतीजे, जिनसे युवाओं की चुनावी भूमिका पर चर्चा तेज हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, चुनावी समीकरण में महिला, पिछड़ा, किसान और दलित जैसे वर्गों के साथ अब जेन-जी भी एक अहम वोटर ग्रुप बनता जा रहा है। इन 7 चुनावी राज्यों में करीब 22% मतदाता 18 से 29 साल की उम्र के हैं। ऐसे में युवा वोट किसी भी पार्टी के चुनावी समीकरण को बदल सकता है।

7 राज्यों के पिछले चुनाव में 257 सीटों पर 5% वोट मार्जिन रहा

चुनाव वाले 7 राज्यों में अगर पिछले विधानसभा चुनाव के आंकडे देखें तो कुल 940 सीटों में 257 सीटें (27%) ऐसी थीं, जहां जीत का अंतर 5% या उससे कम था। उत्तर प्रदेश की 403 में से 131 सीटें ऐसी थीं, जहां जीत का मार्जिन 5% से कम था। गुजरात की 182 में से 27, पंजाब की 117 में से 24, उत्तराखंड की 70 में से 15 और हिमाचल की 68 में से 14 सीटों पर भी वोट मार्जिन 5% से कम था। इस आधार पर कह सकते हैं कि अगर 22% जेन-जी वोटर्स में से 5% भी एकजुट होकर किसी पार्टी के पाले में चले गए तो इन राज्यों में सियासी समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं। यही वजह है कि राजनीतिक दल अब अपनी पूरी रणडनीति जेन-जी वोटर्स के इर्द-गिर्द बुनने में लग गए हैं। भाजपा, कांग्रेस और सपा ने इसकी मुहिम शुरू कर दी है।

भाजपा: पीएम मोदी समेत सभी नेता इंस्टाग्राम पर आने लगे

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई एनडीए सांसदों की 'मंगल मिलन' बैठक पूरी तरह युवाओं पर केंद्रित थी, जिसमें रोजगार को लेकर प्रेजेंटेशन दिया गया। पार्टी के मोर्चों को निर्देश दिए गए हैं कि वे जेन-जी से जुड़े मुद्दों को संवेदनशीलता के साथ सुनें, उनका समाधान करें और इस पीढ़ी के साथ लगातार संपर्क बढ़ाएं।

जाति-धर्म के समीकरण बिगाड सकते हैं युवाओं का नया वर्ग

देश की सियासत में लंबे समय से चले आ रहे जाति और धर्म आधारित चुनावी समीकरणों को युवा वोटर चुनौती दे सकते हैं। इसकी वजह युवाओं का एक नया और मुखर वर्ग बनकर उभरना है। अगले चुनावों में अभी 6-7 महीने का वक्त है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि तब तक यह युवा सेंटिमेंट कितना मजबूत रहता है। अगर यह बरकरार रहा या और बढ़ा, तो राजनीतिक दलों को आने वाले हफ्तों में अपनी रणनीति में पांच बड़े बदलाव करने पड़ सकते हैं।

आरएसएस: भागवत का जेन-जी प्रोग्राम

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को जेन-जी व जेन-अल्फा के साथ प्रोग्राम किया। संघ ने एप के जरिए हर महीने 10 हजार नए युवाओं को जोडने का लक्ष्य रखा है। शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों, किशोर गण और तरुण गण शाखाओं के माध्यम से जेन-जी की सहभागिता पर विशेष ध्यान दे रहा है।

एबीवीपी: 80 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा

80 लाख सदस्य बनाने के लिए स्कूल-कॉलेज से निकलकर आगे कोचिंग सेंटर्स और क्लबों तक पहुंच रहा है। करियर गाइडेंस केंद्र खोलेगा।

कांग्रेस: आंदोलनकारियों को वकील दिलवाएंगे

प्रियंका गांधी वाड्रा की निगरानी में कन्हैया कुमार और जिग्नेश मेवानी दिल्ली के आंदोलनकारी युवाओं के संपर्क में हैं। 150 वकीलों का नेटवर्क बनाया गया है। छोटे वीडियो, पीपीटी, पॉडकास्ट और 'छात्रों की गूंज' जैसे संवाद कार्यक्रम होंगे। एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस ने भी कई कार्यक्रम शुरू किए।

सपा: डिंपल यादव को जिम्मा सौंपा गया

सांसद डिंपल यादव जिम्मेदारी संभालेंगी। लगातार संवाद, कैंपस में कार्यक्रम। युवजन सभा और समाजवादी छात्र सभा के जरिए अभियान चलाएंगी।

राजनीतिक पार्टियां पांच बदलाव करने पर मजबूर

1. **युवाओं पर फोकस्ड राजनीति शुरू होगी:** भास्कर एक्सपर्ट के मुताबिक पहले घोषणापत्र में युवाओं के सिर्फ मुद्दे होते थे, पर अब रोजगार व स्किल डेवलपमेंट जैसे विषय सीधे भाषणों में होंगे। दलों को सिर्फ बेरोजगारों को भत्ता देने के बजाय यह समझाना होगा कि वे रोजगार और कौशल विकास कैसे बढ़ाएंगे। जो दल रोजगार, शिक्षा, डिजिटल इकोसिस्टम और स्किल डेवलपमेंट के मुद्दे उठाएगा, युवा उसी के साथ जाएंगे।

2. **जाति-धर्म समीकरण:** अगर यही माहौल रहा, तो जेन-जी के मुद्दों के कारण जातिगत और धार्मिक समीकरण काफी हद तक बिखर जाएंगे। युवा भी अब तक जाति-धर्म के आधार पर बंटे हुए थे। अब बदलाव दिख रहा है। चुनाव में जाति फैक्टर थोडा-बहुत तो रहेगा ही, लेकिन उम्मीदवारों के चयन और प्रतिनिधित्व में उसका असर साफ दिखेगा। पार्टियां सेल्फ-मेड युवाओं को अधिक टिकट देंगी, जिससे जेन-जी को चुनावी मैदान में बेहतर प्रतिनिधित्व मिल सके।

3. **महिलाओं जैसा बदलाव:** जैसे महिलाओं ने जातिगत समीकरण तोड़कर एनडीए को वोट दिए, युवा भी किसी एक तरफ जा सकते हैं।

4. **मुफ्त योजनाओं से दूरी:** युवाओं को मुफ्त की रेवड़ी या लुभावनी योजनाएं नहीं चाहिए, बल्कि वह दलों से ठोस समाधान चाहता है।

5. **व्यावहारिक वादे:** राजनीतिक पार्टियां आगामी चुनावों में ऐसे व्यावहारिक वादे करेंगी, जिन्हें धरातल पर उतारा जा सके।

बारामती एयरफील्ड पर ट्रेनर प्लेन रनवे से उतरा

2 लोग सवार थे, कोई घायल नहीं; डिप्टी सीएम सुनेत्रा बोलीं- विमान का पहिया फंस गया था

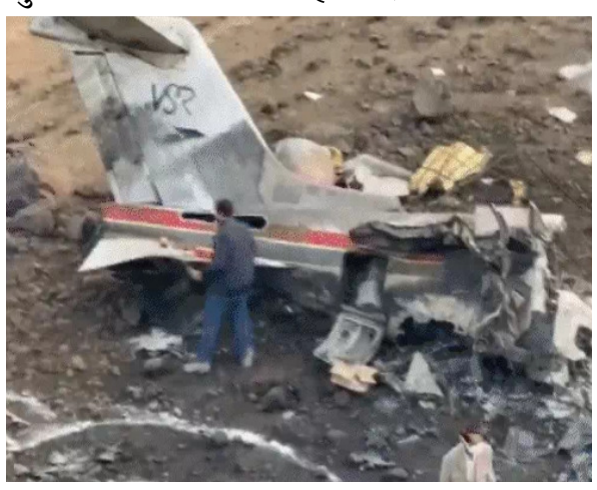

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बारामती एयरफील्ड पर ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान एक ट्रेनर प्लेन रनवे से फिसल गया। पुणे के एसपी के मुताबिक, प्लेन में कैप्टन चिराग शशिकांत डोइफोडे और कैडेट अभिजीत जूंद्रे सवार थे। दोनों सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। घटना के तुरंत बाद प्लेन के क्रेश होने की खबरें आई थीं। हालांकि, डिप्टी सीएम और बारामती विधायक सुनेत्रा पवार ने क्रैश की खबरों को खारिज किया। उन्होंने बताया कि प्लेन रनवे पर ही था और टर्न लेते समय एक पहिया किनारे पर फंस गया। इसके अलावा कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है। इसी साल 28 जनवरी को सुनेत्रा पवार के पति और महाराष्ट्र के तत्कालीन डिप्टी सीएम अजित पवार का विमान बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान क्रेश हो गया था। हादसे में अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत हुई थी।

पुलिस बोली- लैंडिंग इमरजेंसी की ट्रेनिंग के दौरान हादसा

पुणे पुलिस के अनुसार, ट्रेनर प्लेन में सर्किट और लैंडिंग इमरजेंसी की ट्रेनिंग कराई जा रही थी। इसी दौरान वह रनवे-29 के अंतिम हिस्से (थ्रेशहोल्ड) से आगे निकल गया। इसके बाद पक्के रनवे से बाहर चला गया। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। शुरुआती जानकारी में इसे रनवे एक्सकर्शन यानी विमान के रनवे की तय सीमा से बाहर निकलने की घटना बताया गया है। हादसे की सटीक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है और मामले की जांच की जा रही है।

बारामती में चुनावी रैलियों को संबोधित करने गए थे अजित

अजित पवार का प्लेन 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया था। हादसे में उनके पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर, एक अटेंडेंट, पायलट-इन-कमांड सुमित कपूर और फर्स्ट ऑफिसर शम्भावी पाठक की भी मौत हो गई। अजित पवार VSR वेंचर्स कंपनी की लेयरजेट 45 प्लेन सुबह 8:10 बजे मुंबई से रवाना हुए थे। लगभग 8:45 बजे प्लेन क्रैश हो गया। पवार स्थानीय निकाय चुनावों से पहले अपने होमटाउन बारामती में चार चुनावी रैलियों को संबोधित करने वाले थे।

धर्मेंद्र प्रधान बोले- जेन-जी को भटकाने की कोशिश हुई

मेरे लिए पद जरूरी नहीं था, पीएम मोदी से चर्चा के बाद इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। देश के पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पहली बार अपने इस्तीफे पर बयान दिया। उन्होंने कहा, 'जेन-जी हमारे ही बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें भटकाने की कोशिश की। मैंने पीएम मोदी से बातचीत करने के बाद ही पद छोड़ा।' उन्होंने कहा, जेन-जी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश के युवाओं के संकल्प और आकांक्षाओं के सामने शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारियां बहुत छोटी हैं। इसलिए मेरे लिए पद जरूरी नहीं था।' प्रधान ने ये बात शनिवार को भुवनेश्वर की GM यूनिवर्सिटी में कही। यहां उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम के दौरान बीजू जनता दल के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। नीट पेपर लीक पर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के 35 दिन बाद प्रधान ने 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दिया था।

प्रधान ने नारेबाजी पर कहा- मैं किसान का बेटा हूं; स्पीच की 6 बातें

प्रधान ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और BJD अध्यक्ष नवीन पटनायक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ' मैं BJD कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन और उनकी नारेबाजी से परेशान नहीं हूं। मैं किसान का बेटा हूं। आप मुझे वापस जाने के लिए कहेंगे, तब भी मैं वापस आऊंगा।' 'मैंने ओडिशा के 4.5 करोड़ लोगों का सिर कभी शर्म से नहीं झुकने दिया। जब तक मैं जिंदा हूं, तब तक मुझ पर जताए गए भरोसे को नहीं तोडूंगा और ऐसा कोई काम नहीं करूंगा, जिससे ओडिशा के गौरव और स्वाभिमान को ठेस पहुंचे।' जेन जी की जिद के कारण मुझे परेशानी नहीं हुई। नई पीढ़ी का विरोध करने के बजाय उसे समझना जरूरी है। 'भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं। पिछले 10 साल में 20 करोड़ बच्चे पैदा हुए हैं। उनके सपने हैं। वे भारत को विश्व गुरु बनाएंगे।' 'इतिहास में युवाओं ने ही बदलाव का नेतृत्व किया और बलिदान दिया है। वे अपने समय के जेन जी थे।' 'मैंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की और प्रदर्शनकारियों की मांगें मानने के लिए उनकी मंजूरी मांगी। पीएम सहमत हुए और बाद में युवाओं से बातचीत भी की। फिर मैंने इस्तीफा दिया।'

मोदी सरकार में अब तक 4 शिक्षा मंत्री, जोशी को अतिरिक्त प्रभार

2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अब तक केंद्र में 4 पूर्णकालिक शिक्षा मंत्री रहे हैं। इनमें स्मृति ईरानी, प्रकाश जावड़ेकर, रमेश पोखरियाल और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। प्रह्लाद जोशी को प्रधान के इस्तीफे के बाद शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। 29 साल पहले पेपर लीक मुद्दे पर धर्मेन्द्र प्रधान ने भी विरोध प्रदर्शन किया था। प्रधान के सहयोगी रहे प्रशांत राउत ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि 1997 में ओडिशा में एक पेपर लीक हुआ था, तब प्रधान ने प्रदर्शन किया था। इसमें करीब 1,500 छात्र शामिल हुए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया था। धर्मेंद्र प्रधान को बुरी तरह पीटा गया था। उनके शरीर में कई जगह चोटें आईं और फ्रैक्चर भी हुआ था।

झारखंड-मंत्रियों ने देवेंद्र से अनशन तोड़ने की अपील की

सीएम हेमंत बोले- हमने चोरी पकडी है, दोषियों को सजा मिलेगी; सरकार-छात्रों के बीच बातचीत जारी

रांची। झारखंड में JPSC-JSSC परीक्षा में धांधली को लेकर छात्रों का आंदोलन आज 16वें दिन भी जारी है। सरकार और छात्रों के बीच तीसरे दौर की बातचीत चल रही है। बैठक के दौरान अनशन पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो से मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, दीपिका सिंह पांडेय, चमरा लिंडा और संजय सिंह यादव ने वीडियो कॉल के जरिए बात की। मंत्रियों ने देवेंद्र से कहा कि उनकी मांगें पूरी कर दी जाएंगी और वे भूख हड़ताल खत्म कर दें। वहीं, देवेंद्र ने सभी मंत्रियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि जब तक मांगें लिखित रूप में पूरी नहीं होतीं, तब तक भूख हड़ताल जारी रहेगी। इधर, आदिवासी दिवस कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि जिस मुद्दे को लेकर हमारे नौजवान अपने अधिकार के लिए आंदोलन कर रहे हैं, वे हमारी सरकार की गतिविधियों की वजह से ही

हिम्मत जुटा पाए हैं। उन्होंने कहा, छात्र आंदोलन करें और अपने हक-अधिकार मांगें, क्योंकि हमने चोरी पकड़ ली है। नौजवानों को न्याय भी मिलेगा और जिन्होंने गड़बड़ी की है, उन्हें कठोर से कठोर दंड भी दिया जाएगा। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने शनिवार को छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो से बातचीत की। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने शनिवार को छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो से बातचीत की।

दो ग्रुप से सरकार कर रही बातचीत

लोकसभा का चुनाव लड़ चुके देवेंद्रनाथ महतो और छात्र गुट, दोनों ग्रुप से सरकार बातचीत हो रही है। 6 लोगों की टीम सरकार से बात कर रही है।अब तक हुई शुक्रवार और शनिवार की दो राउंड की बातचीत बेनतीजा रही थी।

2 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो की तबीयत रविवार सुबह 3 बजे बिगड़ गई। डॉक्टरों की देखरेख में इलाज चल रहा है। JLKM विधायक जयराम महतो छात्रों के समर्थन में आज रविवार को एक दिन का उपवास कर रहे हैं।

ईरानी सुप्रीम लीडर मुजतबा का जंग के बाद पहला

तेहरान। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का जंग के बाद पहली बार वीडियो सामने आया है। ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर ने यह वीडियो जारी किया है। इसमें मुजतबा जमीन पर बैठे लोगों के बीच उनसे बातचीत करते नजर आ रहे हैं। सुप्रीम लीडर बनने के बाद यह उनका पहला वीडियो है। हालांकि, वीडियो कब रिकॉर्ड किया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। पिछले कुछ दिनों से मुजतबा की सेहत को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे थे। इजराइली चैनल 14 ने उनकी हालत गंभीर होने और अस्पताल में भर्ती होने का दावा किया था। यहां तक कहा गया था कि उनकी जल्द मौत हो सकती है। अब वीडियो सामने आने के बाद इन दावों पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, मुजतबा की मौजूदा सेहत को लेकर अभी भी पूरी तस्वीर साफ नहीं है। सऊदी मीडिया अल-हदथ ने इजराइली सुरक्षा सूत्र के हवाले से दावा किया था कि मुजतबा ईरान में नहीं थे। सूत्र ने यह भी कहा था कि मुजतबा के नाम से जारी सरकारी संदेश IRGC प्रमुख अहमद वाहिदी और दूसरे वरिष्ठ अधिकारी तैयार कर रहे थे। सुप्रीम लीडर बनने के बाद से मुजतबा सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए थे। उन्होंने कोई भाषण भी नहीं दिया था। सरकारी मीडिया ने उनके नाम से सिर्फ लिखित संदेश जारी किए थे। ईरानी मीडिया के मुताबिक, पिता अली खामेनेई की मौत के बाद भी मुजतबा किसी मंत्री से नहीं मिले थे और पिता के अंतिम संस्कार में भी नजर नहीं आए। राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी कहा था कि मुजतबा से सीधे संपर्क करना मुश्किल है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।